Kashmir Unit has been functioning in the Ministry of External Affairs for the past few decades. This Unit is entrusted with matters pertaining to J&K in our foreign policy concerns.

Commercial Intelligence Wings of Indian Missions Abroad

4620. SHRI B. K. HARIPRASAD ; Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) Whether it is a fact that Govemment had assured in August 1993 that Indian missions abroad would help in collecting commercial information to assist Indian manufacturers in filing anti-dumping petitions;

(b) if so, whether despite this assurance there have been complaints from Indian manufacturers alleging that the Indian mission in the USA refused to entertain such requests seeking data on the prevading US prices for chemicals; and

(c) whether Govemment would consider strengthening the commercial intelligence wings ot Indian missions abroad, commensurate with the increasing volume of enquiries/requests for market data/ information from Indian manufacturers in the wake of liberalised import policies ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED) : (a) to (c) No, Sir, no assurance has been provided by this Ministry. However, in discussions with the business community it has been suggested that if they face any problem in the area of dumping they could bring ths to our attention and we will render whatever assistance we can.

The Ministry of Commerce deals with matters relating to anti-dumping and they will be developing the appropriate strategy to meet with the requirements of India.

In keeping with the higher importance attached to economic diplomacy, the commercial wings of our missions/posts abroad are increasingly providing trade j and commercial information and data to *concerned* agencics/ individuals in India and aoroad. 8—28 RSS/95

पारपत्र पुस्तिकाओं की अनुपलब्धता

4621. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या यह सच है कि पारपत्र पुस्तिकाओं की अनुपलब्धता के कारण पारपत्रों को जारी करने में विलम्ब हुआ है ;

(ख) यदि हाँ, तो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गये हैं; और

(ग) वर्ष 1992–93 के दौरान पारपत्र पुस्तिकाओं की अनुपलब्धता के कारण पारपत्रों के लिए कितने आवेदन लम्बित हैं ?

विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) और (ख) पासपोर्ट जारी करने में विलम्ब का सिलसिला 1991 में शुरू हुआ था और 1992 के मध्य तक बहुत सारा काम इकट्ठा हो गया जिसकी एक वजह पासपोर्ट बुकलेटों की सप्लाई में भारी कमी भी थी। इनकी सप्लाई में नवम्बर 1992 में वृद्धि होने लगी और अब मांग को देखते हुए ये काफी मात्रा में उपलब्ध हैं।

(ग) बकाया काम के आंकड़े इस तरह नहीं रखे जाते। तथापि नवम्बर 1992 के अन्त में लगभग 11.43 लाख ऐसे नये आवेदन थे जिन पर कार्रवाई पूरी होनी थी और नवम्बर, 1993 के अन्त में ऐसे आवेदनों की कुल संख्या 5.37 लाख थी।

नया पारपत्र जारी करने के लिए समय सीमा

4622. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नया पारपत्र जारी करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गयी है;

(ख) यदि नहीं तो इस सम्बन्ध में क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक पारपत्र कार्यालय में 45 दिनों की अवधि में कितने पारपत्र जारी होने के लिए लम्बित पड़े हैं; और

(घ) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास कर रही है कि 45 दिनों के भीतर पारपत्र जारी कर दिये जायें ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) से (घ) नया पासपोर्ट जारी करने के लिए कोई समय सीमा नहीं है क्योंकि कार्यभार कर्मचारियों की संख्या तथा संरचनात्मक सुविधाओं जैसी बहुत सी बातों के कारण अलग-अलग पासपोर्ट कार्यालयों द्वारा नया पासपोर्ट जारी करने में अलग-अलग समय लिया जाता है। तथापि सरकार नये पासपोर्ट जारी करने वाले समय को कम करने के लिए भरसक प्रयास करती रही है सरकार ने इस प्रयोजन के लिए विभिन्न उपाय किए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाना पासपोर्ट पुस्तिकाओं की आपूर्ति में वृद्धि करना उन्नत कार्यालय उपकरण मुहैया कराना, उत्पादकता-आधारित प्रोत्साहन योजना लागू करना तथा पासपोर्ट जारी करने से सबंधित प्रक्रियाओं को सुचारू बनाना शामिल है। पासपोर्ट कार्यालय कुल बकाया कार्य तथा एक महीने से अधिक बकाया कार्य के बारे मे आंकड़े रखते हैं, वर्ष 1991, 1992 तथा 1993 की अन्तिम तारीख को बकाया कार्य के आंकड़े विवरण "क" में देखे जा सकते हैं। (नीचे देखिए जून 1992, जुलाई 1993 तथा फरवरी 1994 की स्थिति के अनुसार नये पासपोर्ट जारी करने के लिए पासपोर्ट कार्यालयों द्वारा जो समय लिया गया था उसे विवरण "ख" में देखा जा सकता है।

विवरण 'क'

प्रत्येक पासपोर्ट कार्यालय में प्रत्येक वर्ष के अन्त में लम्बित नये आवेदनों की कुल संख्या तथा एक महीने से अधिक की अवधि से लम्बित आवेदनो की संख्या

क्र० सं०	कार्यालय	1991		1992		1993	
		कुल बकाया	एक महीने की अधिक अवधि से बकाया	कुल बकाया	एक महीने की अधिक अवधि से बकाया	कुल बकाया	एक महीने की अधिक अवधि से बकाया
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	अहमदाबाद	30136	11150	40437	25408	16897	14126
2.	बंगलौर	22345	10644	18504	0	29790	11675
3.	बरेली	19397	14659	11092	7580	1793	1781
4.	भोपाल	4414	2455	3188	985	3346	327
5.	भुवनेश्वर	706	130	2978	1580	1956	245
6.	बम्बई	67710	35856	47349	20729	49827	16218
7.	कलकत्ता	12482	8482	23483	20011	14707	4601
8.	चण्डीगढ़	57320	47711	82499	74590	59912	49900
9.	कोचीन	141065	116065	62679	50072	8912	6225

1	2	3	4	5	6	7	8
10.	दिल्ली	16800	2826	34024	19564	33355	10464
11.	गोवा	3254	873	2074	583	2350	97
12.	गुवाहाटी	1984	1593	3663	3018	3071	1977
13.	हैदराबाद	88978	61380	37459	20801	23254	9222
14.	जयपुर	60720	45314	50861	40379	8988	1583
15.	जालंधर	62561	52841	116026	91246	75547	67032
16.	कोजीकोड	90782	80856	168942	147605	24609	18077
17.	लखनऊ	70515	54434	87406	78588	68231	66301
18.	मद्रास	44900	12107	65417	40893	13376	12819
19.	नागपुर	922	44	827	80	1143	54
20.	पटना	25520	19448	42993	40171	42979	36536
21.	त्रिची	87802	18700	157081	132772	36040	24471
22.	त्रिवेन्द्रम	—	—	83853	72654	12655	1161
		910383	577568	1142835	889309	532738	354890

विवरण 'ख'

जून, 1992, जुलाई, 1993 तथा फरवरी, 1994 में पासपोर्ट जारी करने में लगने वाले दिनों की संख्या को दर्शाने वाला विवरण

क्र० सं०	पासपोर्ट कार्यालय	जून, 1992	जुलाई, 1993	फरवरी, 1994
1	2	3	4	5
1.	अहमदाबाद	105	100	72
2.	बंगलौर	200	127	73
3.	बरेली	90	31	39
4.	भोपाल	35	32	65
5.	भुवनेश्वर	60	85	62
6.	बम्बई	75	50	46
7.	कलकत्ता	90	93	35
8.	चंडीगढ़	240	304	278
9.	कोचीन	270	56	44
10.	दिल्ली	90	50	25
11.	गुवाहाटी	60	34	28

1	2	3	4	5
12.	हैदराबाद	150	53	46
13.	जयपुर	180	168	45
14.	जालंधर	240	300	194
15.	कोजीकोड	365	266	72
16.	लखनऊ	180	177	115
17.	मद्रास	180	76	39
18.	नागपुर	28	31	31
19.	गोआ	40	31	35
20.	पटना	240	302	294
21.	त्रिची	270	134	44
22.	त्रिवेन्द्रम	120	118	35

विदेश मंत्रालय में समयोपरि भत्ते का भुगतान

4623. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय में समयोपरि भत्ते के भुगतान पर कई करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं;

(ख) यदि हां तो 1990–91, 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के वर्षों में इस प्रयोजन हेतु व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार अपनी मितव्ययिता अभियान के अधीन इस तरह के खर्च से बचने के लिए क्या–क्या प्रयास कर रही है;

(घ) क्या सरकार ने समयोपरि भत्ते के भुगतान से सम्बन्धित प्रक्रिया और इसके दुरुपयोग की कोई जांच करवाई है; और

(ङ) यदि हां तो, उसका ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) : (क) और (ख) 1990–91, 1991–1992–93 तथा 1993-94 के दौरान दिए गए समयोपरि भत्ते से सम्बन्धित व्यय के बारे में विवरण संलग्न है (नीचे देखिए)।

(ग) समयोपरि भत्ते का भुगतान इस संबंध में जारी सरकार के निर्देशों के अनुरूप ही किया जा रहा है जिसमें ऐसे व्यय में मितव्ययिता बरतने से सम्बन्धित निर्देश भी शामिल हैं। प्रक्रिया संबंधी सरकारी निर्देशों का पालन किया जा रहा है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।